

(१६)

सम्मेलन परीक्षाओं के लिए उपयोगी  
हमारे अन्य

प्रकाशन

१ बृज माधुरीसार की टीका

ले० श्री निर्मोही २-४-०

२ साहित्य निर्माता

ले० श्री उपमन्यु २-०-०

३ चित्रलेखा एक दृष्टि

०-४-०

४ कहानियाँ एक परिचय

०-१२-०

५ पंचवटी परिचय

०-४-०

६ श्रालोक हिन्दी शब्द कोष

४-०-०

{ छोटा

बड़ा

५-०-०

७ हिन्दी साहित्य के इतिहास की

रूपरेखा मानचित्र महित

१-०-०

दीनानाथ बक दीपो इन्दौर

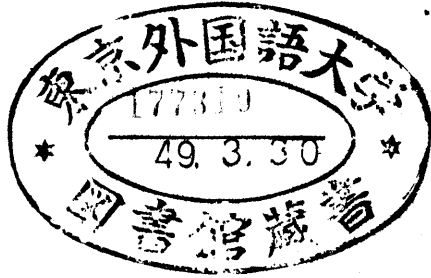
श्री गणेशाय नमः

## राधेश्याम भजनमाला

दोहा—सदा भवानी दाहिने, सन्मुख रहें गणेश ।  
पाँच देव रक्षा करें, ब्रह्मा विष्णु महेश ॥

❀ भजन ❀

तेरे पूजन को भगवान बना मनमन्दिर आलीशान ।  
किसने जानी तेरी माया, किसने भेद तुम्हारो पाथा ॥  
हारे ऋषि मुनिकर ध्यान, बना मनमन्दिर आलीशान  
तूहीं जलमें तूहीं थलमें, तूहीं मनमें तूहीं वनमें ॥  
तेरा रूप अनूप जहान, बना मनमन्दिर आलीशान ।  
तूहर गुलमें तू बुलबुल में, तूहर डाल के हरपाननमें ॥  
तूहर दिलमें मूरतिमान, बना मनमन्दिर आलीशान ।  
तूने राजा रंक बनाये तूने भिच्छुक राज बिठाये ॥  
तेरी लीला परम महान, बना मनमन्दिर आलीशान ।  
भूठे जगकी भूठी माया, मूरख इसमें क्यां भरमाया ॥  
करकुञ्ज जीवनका कल्याण, बना मनमन्दिर आलीशान



寄贈

昭和49年度科学研究費助成事業  
東大・東洋文化研究所  
合同海外学術調査団  
氏